श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : इसीलिए पहले ही मैंने क्षमा प्रार्थना चाही है और चेयर ने मुझे परमिशन दी है।

SHRI GOPALSINH G. SOLANKI (Gujarat): Madam, I would like to associate myself with the Special Mention. The premium which was paid to the Insurance Corporation was returned to the District Cooperative Banks after four months, but they have again been asked to pay the whole amount. This question may be disposed of early so that the farmers are benefited.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Nobody is going to disagree with you on this very serious matter. Gujarat was earlier having drought. Now it is having floods. So, there is a lot of problem there.

We should send it to a dispensary so that it could be read. Some of the handwritings are good.

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : मैडम, मैं पढ़ दूं या पेपर ले कर दूं।

उपसभापति : यह तो आपकी इच्छा है। अगर सभी ले करने लगेंगे तो बहुत अच्छा है। Everything can be laid on the Table.

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, दिक्कत यह है कि अगर मैं पढ़ता रहूंगा तो आपकी तरफ देख नही पाऊंगा।...

उपसभापति : मैंने सुना नहीं आपने क्या कहा है।

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, मैं पढ़ता रहूंगा तो आपकी तरफ नहीं देख पाऊंगा।

उपसभापति : आप अगर मेरी तरफ नहीं देखेंगे तो मुझे कोई तकलीफ नहीं होगी। The loss will be entirely yours.

Amarnath Yatra

श्री मोहम्मद सलीम (पश्चिमी बंगाल) : मैडम, तकरीबन 50 हजार यात्री अमरनाथ की यात्रा के लिए निकले थे वह स्ट्रैंडिड हो गए हैं और किसी भी वक्त स्टैम्पीड हो सकता है। वहां पर जो यात्री है उनके लिए न तो खाने का बंदोबस्त है, न पीने के पानी का बंदोबस्त है। यात्रियों के लिए आगे जाने के रास्ते जगह-जगह पर बंद है..

उपसभापति : हिन्दी में अनुवाद कर रहे हैं। आपके अल्फाज सब गड़बड़ हो जायेंगे।

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, सिर्फ एक रीडर ही नहीं अब एक अनुवादक भी रखना पड़ेगा। मैं राष्ट्रभाषा में बोल रहा हूं। वहां पर आगे जाने के रास्ते बंद हैं क्योंकि काफी बारिश हुई है। उससे लैंड स्लाइड भी हुआ है। अब एक टैंशन बढ़ाने की कोशिश की जा रही है, यात्री आगे नहीं जा पा रहे हैं और नये कंटींजेंट उनके साथ जाकर जुड़ रहे हैं। उससे और टैंशन बिल्ड अप हो रहा है। यह अच्छी बात है कि कल कुछ लोगों को, दो-ढाई हजार लोगों को आगे जाने की इजाजत दी जायेगी। मैंने यह एक लाइन टैक्स्ट से बाहर बोली है क्योंकि यह लेटेस्ट है।..

उपसभापति : यह आपने मुझे देखने के लिए तो नहीं बोला है?

श्री मोहम्मद सलीम : मैडम, आपको याद होगा कि 1996 के अगस्त महीने में यात्रा के दौरान भी ऐसा ही मिसहेप हुआ था। मैं वहां पर पहुंचा था, मैंने खुद देखा था कि ऐसी हालत में यात्री बहुत परेशान होते हैं। हर साल यात्री जाते हैं। सरकार ने एक नितीन सेन कमेटी बनाई थी। उस कमेटी की रिपोर्ट भी आई । उस रिपोर्ट पर यहां चर्चा भी हुई, लेकिन उसके ऊपर जो कार्रवाई होनी थी बेटर अरेंजमेंट के लिए, अल्टरनेटिव रूट के लिए, वह अब तक नहीं हुई है। जो पॉथ पहलगांव से अमरनाथ की गुफा तक बना है उसको और भी स्ट्रेंग्थन किया जा सकता है, वायडन किया जा सकता है। वहां जाने के लिए वैकल्पिक रूट दूर से निकाला जा सकता है, लेकिन आज तक वह काम नहीं हुआ है।

मैडम, हमारी दिक्कत यह है कि जब कोई नेचुरल केलेमिटी आती है हम तभी रिएक्ट करते हैं, चाहे यह बाढ़ का मामला हो, चाहे ऐसा ही कोई अन्य हादसा हो। हम पहले से खुद किसी इंतजाम की कोशिश नहीं करते है। हमारे यहां जब इसके बारे में रिपोर्ट सरकार के पास है तो सरकार यह कहती है कि हम प्रो-एक्टिव हैं, यह सरकार जो हिन्दुत्व के प्लैंक पर, काश्मीर के सवाल पर चुनाव जीतकर आई है...*(व्यवधान)*...

श्री टी.एन. चतुर्वेदी (उत्तर प्रदेश): क्या यह इसमें लिखा हुआ है?

श्री मोहम्मद सलीम : जी। मैं आपको अंग्रेजी में पढ़कर सुनाऊं। Our conscience is shaken only when some lives are lost in some mishap. Why couldn't we expect something concrete well in advance, at least, from a Government which proclaims itself as pro-active and, particularly, which came to power on *Hindutva and* Kashmir planks? May I request the Government, through you, ...*(interruptions)*....

श्री संघप्रिय गौतम (उत्तर प्रदेश): मैडम, यह आब्जेक्शनेबल है। ...**(व्यवधान)**...

श्री टी.एन. चतुर्वेदी: यह एनडीए के मेनीफेस्टो में कहा है? ...**(व्यवधान)**...

SHRI MD. SALIM: May I request the Government, through you, to make it a more durable, yatri-friendly and less risky route and all necessary facilities enroute are ensured; and make this pilgrimage a memorable happy yatra for those who have undertaken? Thank you.

उपसभापति : आप अपने ही हैंड राइटिंग को ठीक से नहीं पढ़ पा रहे थे तो How do you expect to read your writing?

Now, Mantriji, do you want to say something? It is a very serious matter. We had discussed the matter in the House. In 1996, he had gone there. So, he had a personal experience. मंत्री जी आप भी कुछ कहना चाह रहे हैं?

श्री मोहम्मद सलीम : वह भी गए थे इत्तफाक से।

रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री हरिन पाठक) : आदरणीय उपसभापति महोदया, मैं मेरे मित्र एवं माननीय सदस्य की भावना से सहमत हूं । मैं उनकी क्वैरीज़ का जवाब देने के लिए खड़ा नही हुआ हूं । पिछले कई दिनों से लगातार हमारा रक्षा विभाग और सरकार जम्मू-कश्मीर सरकार के संपर्क में है, वहां के लोगों के संपर्क में है। वहां जो स्ट्रैंडिड हुए हैं, उनके बारे मे भी हम चिंतित हैं । वहां की सरकार से लगातार हमारी बातचीत हो रही है । कल सुबह सात बजे मैं स्वयं कुछ दवाइयां और फूड पैकेट्स लेकर पहलगांव, श्रीनगर और जम्मू जा रहा हूं। मैं वहां के अधिकारियो से बात करूंगा तथा और अच्छे से उन लोगों की व्यवस्था हो जाएगी।

श्री मोहम्मद सलीम : मैं भी आपके साथ चलता हूं ।

श्री हरिन पाठक : अगर सलीम साहब जाना चाहते हैं तो मैं उनको भी साथ ले जाउंगा । हम पूरी कोशिश करेंगे कि उन्हें पूरी सुविधा हो और भविष्य में ऐसी घटनाएं न घटें क्योंकि 1996 मे भी ऐसा हुआ था । उस वक्त मैं गुजरात के संसद सदस्य के नाते गुजरात सरकार की ओर से गया था । अब जब मैं कल जा रहा हूं तो आप सबकी तरफ से जा रहा हूं। हमारी कोशिश रहेगी कि ज्यादा से ज्यादा सुविधा वहां फंसे हुए यात्रियों को मिले ।

उपसभापति : मंत्री जी सवाल यह है कि आप अभी तो सहायता दे देंगे । जब समस्या आएगी, जहां तक हो सकेगा, उसका समाधान तो आप कर ही देंगे लेकिन समस्या यह है कि इसका परमानेंट सॉल्यूशन होना चाहिए। यात्रियों की तादात आबादी के लिहाज़ से बढ़ती जा रही है । वहां और ज्यादा लोग जा रहे हैं और रास्ता इतना पतला है । वहां तीन जगह बारिश की वजह से लैंड स्लाइड हुआ है, आइन्दा भी होने वाला है । अगले साल भी यही यात्रा होगी, यात्रा बदलेगी नहीं । आपने सड़क बनाने की कोशिश नहीं की। आपके डिफैंस की तरफ से भी वहां सड़क बनाएगे तो अच्छा रहेगा । These areas are sensitive areas. इसमें आपको कोशिश करनी चाहिए । सरकार को इस चीज़ पर ध्यान देना चाहिए कि हजारों-लाखों

यात्री वहां जा रहे हैं - 20 हजार तो आज वहां श्रीनगर में घूम रहे हैं, उनको कितनी तकलीफ होती है। आपने टैंपरेरी सॉल्यूशन कर दिया, उससे समस्या का समाधान नहीं होगा। सरकार को चाहिए कि कोई प्लान बनाकर हाउस के सामने आए और मैंबर्स को बताए कि क्या किया है। 1996 में भी यही हुआ था। अब 2000 में यह हो रहा है। 1996 से 2000 तक क्या हुआ है, कितनी सड़क बन गयी, क्या कर दिया ? जब हमारे यहां कोई समस्या आती है तो हम कहते हैं कि हां, बहुत दुख की बात है और पैसा जमा करके वहां भेज देते हैं। यह तो उसका समाधान नहीं होगा।

Cargo vessel "River Princess", Aground On Sinquerim-Candolim Beach, Goa

SHRI SANTOSH BAGRODIA (Rajasthan): Madam Deputy Chairperson, I would like to draw the attention of the Government, particularly the Ministries of Environment, Tourism and Defence, to the fact that the cargo vessel River Princess went aground on the Sinquerim-Candolim Beach, Goa, during the late hours of the 6th June, 2000. I happened to be in Goa on the 1st July, 2000 by chance. Many hotelliers met me in this connection. I was also taken to the site of the accident. I found it is a very serious problem. It is proving to be a great deal of anxiety amongst the local populace for the fear of breaking of the ship and the possible aftermath that would ensue in the entire region. It could destroy the pristine beauty of the beaches in Goa and it was a great environment hazard. Nothing definite has happened so far except that the coast guard removed the crew of the ill-fated ship. The owners of the ship and the concerned Government authorities have failed to inform the public as to how much oil is there on board the vessel. One Mr. Madgaonkar, an expert has advised that the vessel may have 300 to 400 tons of oil. The ship can be towed away to safety even in the present weather. If there will be an oil slick from the ship, then the whole coast line would be affected for many years to come, causing problems for fishing and tourism.

If the ship breaks, it could cause irreparable environmental problems. The different authorities, including the Chief Minister, the Environment Minister, the Tourism Minister and the Defence Minister of India have been informed by the local people and also by me by letter and through phone calls, but nothing has so far happened. The hon. Defence Minister is sitting here. Madam, I request you to direct the Minister that some action should be taken by the Coast Guards so that the ship can